Sl. No. :

MSAN(P)-04

Total No. of Pages : 2

First Year M.A. Degree Examination, October - 2025
(SLM Scheme) (Non-CBCS)
SANSKRIT
Course - IV : Bhāratīya Tattvasāstram
Texts : Sarvadarshana sangraha
(चार्वाक, रामानुज, पूर्णप्रज्ञ, शैव, शाङ्करदर्शनानि)

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

सूचना : संस्कृतभाषया, कन्नडभाषया, आङ्ग्लभाषया वा उत्तराणि लिखत।

भाग – अ

I. चतुर्णां अधिकृत्य लघु टिप्पणीः लिखत। **[4 × 5 = 20]**

1) नास्तिक दर्शनानि।
2) माया।
3) आस्तिक दर्शनानि।
4) ईश्वरः।
5) ब्रह्मसूत्राणि।
6) प्रस्थानत्रयम्।

भाग – आ

II. त्रयः प्रश्नाः समाधेयाः। **[3 × 10 = 30]**

7) चार्वाकमतम् अनुसृत्य प्रबन्धमेकं रचयत।
8) शास्त्रदर्शनधर्माणां मध्ये विद्यमानानां अर्थवैविध्यं विशदयत।
9) अनुमान प्रमानं विस्तरयत।
10) सांख्य शब्दस्य व्युत्पत्तिं प्रदर्शयत।
11) जैनमतानुगुणमोक्षस्वरूपं मोक्षसाधनञ्च विलिखत।

भाग – इ

III. द्वौ प्रश्नौ उत्तरयत । **[2 × 15 = 30]**

12) भारतीय दर्शनेषु उपनिषदां महत्त्वं अधिकृत्य प्रबन्धमेकम् आरचयत।

13) द्वैताद्वैतदर्शनस्य तत्त्वानां वैशिष्ट्यं प्रदर्शयत।

14) रामानुजमतानुसारेण ईश्वरतत्त्वं परिचाययत।

15) अविद्यायां अनुमानप्रमाणं ग्रन्थोक्तदिशा विवृणुत।

